संपादकीय

चंदा मामा दूर के

इसरो द्वारा भेजे गए चंद्रयान-2 की अंतिम क्षणों की विफलता से एकबारगी हर किसी को धक्का लगना स्वाभाविक है। पूरा देश बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहा था जब विक्रम लैंडर चांद की सतह पर उतरेगा और भारत स्पेस रिसर्च के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करेगा। इसलिए जैसे ही पता चला कि चांद की सतह से 2.1 किलोमीटर की दूरी पर आकर अचानक विक्रम लैंडर का संपर्क इसरो कंट्रोल रूम से टूट गया तो इस अभियान से प्रत्यक्ष रूप में या भावनात्मक स्तर पर जुड़े सारे लोगों का दिल टूट गया। लेकिन जैसा कि मौके पर मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रात में और फिर सुबह इसरो मुख्यालय से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में भी रेखांकित किया, इस विफलता से निराश होने की कोई जरूरत नहीं है।

यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों में चंद्रमा से जुड़े अभियानों के साथ आर्थिक संभावनाएं भी जुड़ गई हैं- वहां पानी, खनिज संसाधनों और हीलियम जैसे ऊर्जा स्रोतों की मौजूदगी से जुड़ी चर्चा इन अभियानों में नए आयाम जोड़ रही है- लेकिन इन संभावनाओं के बावजूद मूलतः यह वैज्ञानिक अभियान ही है और इसका मूल तत्व उत्सुकता ही बना हुआ है। वैसे भी विज्ञान की राह में सफलता और असफलता में न तो ज्यादा अंतर होता है और न खास दूरी। कभी असफलताओं के बीच छुपी बैठी सफलता चौंका देती है तो कभी कई सफलताएं मिलकर एक बड़ी असफलता की ओर ले जाती हैं। इसलिए विज्ञान का पहला सबक यही है कि नाकामी से निकली निराशा और कामयाबी से उपजे उत्साह, दोनों को नियंत्रित रखा जाए।

जहां तक मिशन चंद्रयान-2 की बात है तो इसमें कोई शक नहीं कि यह अत्यंत महत्वाकांक्षी और कठिन मिशन था। इसरो के वैज्ञानिक इसमें हर कदम पर कोई न कोई उपलब्धि दर्ज करते हुए आगे बढ़ रहे थे। 3850 किलोग्राम वजन की लांचिंग ही पहले कभी नहीं हो पाई थी। जीएसएलवी के जरिए यह कमाल दिखाने के बाद बिल्कुल सटीक ढंग से चांद की कक्षा में पहुंचाया गया इसका ऑर्बिटर अपना काम बखूबी कर रहा है। ब्यौरे देखें तो नाकामी के बावजूद इस मिशन से ऐसा बहुत कुछ सीखने को मिला है जो आगे के अभियानों में काम आएगा।

विफलता के कारणों पर माथापच्ची होनी ही है और उनसे निकलने वाले सबक निश्चित रूप से कहीं ज्यादा उपयोगी होंगे। टीम से जुड़े एक्सपर्ट देखेंगे कि लक्ष्य के चयन में क्या वे ज्यादा महत्वाकांक्षी हो गए, या अभियान की तैयारी के दौरान अति आत्मविश्वास की कोई भूमिका तो नहीं बन गई थी। या ऐसा कुछ नहीं था, संपर्क टूटने के पीछे सिर्फ एक संयोग काम कर रहा था। इस खोजबीन के बीच एक सबक हम आम लोगों के लिए भी कि देश के वैज्ञानिक अभियानों के साथ अपना राष्ट्रीय गौरवबोध जोड़ने में हम ऐसी जल्दबाजी न करें कि वैज्ञानिकों की टीम अपना ध्यान अपने काम पर केंद्रित करने के बजाय हमारी सामूहिक अपेक्षाओं के नीचे दबी हुई महसूस करने लगे।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित

नईदिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कतर के दोहा में 27 सितम्बर से छह अक्टूबर तक होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए सोमवार को 25 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा कर दी। एएफआई की वेबसाइट पर जारी रिपोर्ट के अनुसार, भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और फर्राटा धाविका दुती चंद इस टीम में नहीं हैं। उनके अलावा हिमा दास को केवल रिले रेस के लिए टीम में शामिल किया गया है।

दुती चंद विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। उनका विश्व चैंपियनशिप में खेलना अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक संघ (आईएएएफ) के बुलावे पर निर्भर करेगा। एएफआई को चार गुणा 400 मीटर रिले टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है, जैसा कि टीम ने पिछले साल मई में वर्ल्ड रिले में किया था।

इसके अलावा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और हाल में बर्लिन में 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने वाले धावक जिंसन जॉनसन से महासंघ को काफी उम्मीदें हैं। जॉनसन इस समय अपने कोच स्कॉट सिमंस के साथ अमेरिका में अभ्यास कर रहे हैं।

लंबी कूद धावक एम श्रीशंकर चोट के बाद अपना शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। उन्होंने पिछले साल भुवनेश्वर में हुए राष्ट्रीय ओपन चैम्पियनशिप में 8.11 और 8.20 मीटर की छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकार्ड कायम किया था। श्रीशंकर ने पिछले महीने ही पांचवीं इंडियन ग्रां प्री में आठ मीटर की लंबी छलांग लगाकर सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में राजीव अरोकिया चोट के कारण इसमें भाग नहीं लेंगे।भाला फेंक एथलीट नीरज कोहनी की चोट से उबरने के बाद रिहेबिलिटेशन की प्रक्रिया के गुजर रहे हैं। चयन समिति ने दुती (100 मीटर), अर्चना सुसीनट्रन (200 मीटर) और ऊंची कूद में भाग लेने वाली तेजस्विनी शंकर के नामों को अपनी मंजूरी दे दी है। लेकिन इनका विश्व चैंपियनशिप में खेलना आईएएएफ के बुलावे पर निर्भर करेगा। एआईएएएफएफ इन्हें विश्व रैंकिंग के आधार पर बुलाएगा।

टीम :

पुरुष : जाबिर एमपी (400 मीटर बाधा दौड़), जिंसन जॉनसन (1500 मीटर), अविनाश सेबल (3000 मीटर स्टीपलचेज), के टी इरफान और देवेंद्र सिंह (20 किमी पैदल चाल), टी. गोपी (मैराथन), एम. श्रीशंकर (लंबी कूद), तजिंदर पाल सिंह तूर (शॉट पुट), शिवपाल सिंह (भाला फेंक), मोहम्मद अनस, निर्मल नाओ टॉम, एलेक्स एंटनी, अमोज जैकब, केएस जीवन, धारुन अय्यास्वामी और हर्ष कुमार (चार 400 मीटर पुरुष और मिश्रित रिले टीम)।

महिला : पी यू चित्रा (1500 मीटर), अन्नू रानी (भाला फेंक), हिमा दास, विस्मया वीके, पूवम्मा एमआर, जिस्ना मैथ्यू, रेवती वी, सुभावनकत्सन, विथ्या आर (चार गुणा 400 मीटर महिला और मिश्रित रिले)।

14 दिन बाद आज महंगी हुई पेट्रोल-डीजल की कीमत

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमत आज 14 दिन बाद महंगी हुई है. पिछले महीने की 26 तारीख को पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी देखी गई थी. राजधानी दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत आज 5 पैसे महंगी हुई हैं. मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत में 1 पैसे की बढ़ोतरी हुई है. चार महानगरों में डीजल की कीमत आज 5-6 पैसे बढ़ी है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार मंगलवार को ग्राहकों को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल क्रमशः 71.76 रुपये, 77.45 रुपये, 74.49 रुपये और 74.56 रुपये प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है. वहीं दूसरी ओर ग्राहकों को चारों महानगरों में डीजल के लिए क्रमशः 65.14 रुपये, 68.32 रुपये, 67.55 रुपये और 68.84 रुपये प्रति लीटर चुकाने पड़ेंगे. पेट्रोल-डीजल के दाम हर दिन घटते-बढ़ते रहते हैं. पेट्रोल-डीजल का नया दाम सुबह 6 बजे से लागू हो जाता है. इनकी कीमत में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन सब कुछ जोड़ने के बादल इसकी कीमत लगभग दोगुनी हो जाती है.

अब ट्रेन में यात्रियों को मिलेगा मनपसंद खाना, 40 से 250 रुपये तक

नई दिल्ली (आरएनएस)। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे ने एक बड़ा बदलाव किया है। इंडियन रेलवे अब ट्रेन में मिलने वाले खाने में कुछ बदलाव करने की तैयारी में है। इस बदलाव से यात्रियों को अपना मनपसंद खाना मिल पाएगा।

दरअसल रेलवे जल्द ही नई कैटरिंग पॉलिसी लाने जा रहा है। इस पॉलिसी के तहत ट्रेन में क्लास के हिसाब से अलग-अलग खाना मिलेगा। नई कैटरिंग पॉलिसी में कॉम्बो मील्स को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही खाने के न्यूनतम रेट 40 रुपये से लेकर 250 रुपये तक तय करने की तैयारी चल रही है। रेलवे इस दिशा में एक पॉलिसी बना रहा है। इस पॉलिसी को शीघ्र ही लागू किया जाएगा। इस पॉलिसी के तहत अगर किसी यात्री को 40-50 रुपये में खाना खाना है तो उसे पूरी-सब्जी, छोले भठूरे, राजमा चावल या कढ़ी चावल के ऑप्शन्स दिए जाएंगे।

वहीं अगर यात्रीगण पूरी थाली या खाने में ज्यादा वैरायटी चाहते हैं तो उसके लिए 200-250

रुपये तक लिए जाएंगे। दोनों ही खानों में क्वॉलिटी का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि कम पैसों में बहुत सारी वैरायटी नहीं दी जा सकती, इसलिए हर वर्ग का ध्यान रखकर इस तरह की पॉलिसी पर काम किया जा रहा है।

एनबीएससी, एचएफसी की वृद्धि दर, फंडिंग चुनौतीपूर्ण : इंडिया रेटिंग्स

मुंबई (आरएनएस)। गैर-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) को वृद्धि दर और फंडिंग दोनों ही मोर्चों पर दवाब का सामना करना पड़ेगा। फिच समूह की कंपनी इंडिया रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) ने अपने एनबीएफसी के लिए अपने सेक्टर दृष्टिकोण को संशोधित किया है और नकारात्मक से बदलकर टिकाऊ कर दिया है। हालांकि एजेंसी ने एचएफसी के लिए अपने नकारात्मक दृष्टिकोण को बरकरार रखा है।

इंड-रा को उम्मीद है कि वित्तवर्ष 2019-20 की दूसरी छमाही में चेरी-पिक्ड लोन्स, महत्वपूर्ण परिशोधन, क्रेडिट वृद्धि का न्यूनतम उपयोग और अंतर्निहित खुदरा और वाणिज्यिक कर्जो के लगातार मजबूत प्रदर्शन के आधार पर समग्र उद्योग प्रवृत्तियों की तुलना में संरचित वित्त (एसएफ) रेटेड लेन-देन को टिकाऊ रखा है।

सीओए खुद कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन कर रही : डीडीसीए

नईदिल्ली । दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के निदेशक संजय भारद्वाज ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) को एक पत्र लिखकर कहा है कि वह खुद अदालत के आदेशों को उल्लंघन कर रही है। भारद्वाज ने सीओए से अनुरोध किया है कि वह डीडीसीए के सचिव विनोद तिहारा द्वारा कुप्रबंधन को लेकर भेजे गए ईमेल को नजरअंदाज न करे।

निदेशक ने एक ईमेल में बताया है कि बीसीसीआई के नए संविधान के संबंध में नौ अगस्त, 2018 के निर्णय संख्या 38 और 39 का किस तरह से उल्लंघन हुआ है। उन्होंने कहा, 28 अक्टूबर, 2018 को आपने सुप्रीम कोर्ट में 10वीं स्टेटस रिपोर्ट पेश की, जिसमें आपने कोर्ट के निर्देशों का पालन करने वाले संविधान में संशोधन करने के लिए डीडीसीए सहित कई राज्यों को

अनुमति दी, जोकि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन है।

डीडीसीए के निदेशक ने आगे कहा, आप कई राज्यों को अपने संविधान में संशोधन करने और एक साथ चुनाव कराने की अनुमति दे रहे हैं, जो कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वीकृत संविधान की धारा 32 का उल्लंघन है।

उन्होंने यह भी कहा कि डीडीसीए ने नए संविधान को अवैध रूप से अपनाया और संशोधित किया है। इसके अलावा उन्होंने सामान्य निकाय में बीसीसीआई प्रतिनिधि का चुनाव करने के लिए प्रबंधन द्वारा डीडीसीए के सदस्य के अधिकारों की जब्ती पर भी ध्यान दिलाया।

आज का राशिफल

मेषः- आज का दिन आपके लिए मिश्रित फल कारक है। सम्मान तथा रुके कार्यों की सिद्धि कारक है। धार्मिक यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगति होगा। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी।

वृषभः- राशि का स्वामी शुक्र चतुर्थ सुख प्रमुख केंद्रमा भाव में मान प्रतिष्ठा की वृद्धि कारक है। चंद्रमा नवम भाव में मंत्रणा शक्ति का विस्तार और सत्तारूढ़ महान व्यक्ति यों की कृपा से धन लाभ कराएगा।

मिथुनः- आपकी राशि का स्वामी बुध सिंह राशि मंगल के साथ तृतीय भाव में अस्त चल रहा है। अकारण शत्रुत्पत्ति, निर्मूल चिन्ताकारक है। आज अष्टम चन्द्रमा, माता को कष्ट कर सकता है।

कर्कः- आज का दिन आपके लिए सुख शांति का रहेगा। पिछले कई दिनों से चला आ रहा तनाव आज कुछ कम हो जाएगा। राशि का स्वामी चन्द्रमा सप्तम भाव में पराक्रम वृद्धि और कोर्ट कचहरी में विजय कारक है।

सिंहः- आपकी राशि का स्वामी सूर्य प्रथम भाव में सिंह राशि का होकर संचार कर रहा है। चन्द्रमा षष्ठम भाव में अकस्मात बड़ी मात्रा में लाभ कराकर कोष वृद्धि करेगा।

कन्याः- आज का दिन आपके स्वास्थ्य एवं सुस्त पड़े कारोबार में सुधार का दिन है। धन लाभ होने से मनोबल बढ़ेगा। प ी व संतान पक्ष से संतोषजनक समाचार से हर्षित होंगे।

तुलाः- आपकी राशि के स्वामी शुक्र का सिंह में प्रवेश हो चुका है। राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृश्चिकः- आज का दिन विशेष व्यस्त एवं तनाव मुक्त रहेगा। आपकी राशि पर शनि योग बना हुआ है, विवेक से काम लें। निकटवर्ती लोगों से व्यर्थ के विवाद में न उलझें, हानि हो सकती है।

धनुः- आपकी राशि पर मंगल अग्नि, चोर भायकारक है। सप्तम भाव में मिथुन राशि राहू भी व्यर्थ व्यय व प ी को कष्टकारक है।

मकरः- आज का दिन प्रभाव प्रताप का बढ़ाने वाला है। प्रथम राज्य केंद्रम में चन्द्र भूमि, जमीन जायदाद के कार्यो से अकल्पित लाभ कारक है।

कुंभः- आपकी राशि का स्वामी शनि, धनु राशि का होकर एकादश भाव में विराजमान है। चन्द्रमा आज द्वादश घर में आय के नए स्रोत विकसित करेगा। शत्रु व प्रतिद्वन्दी पक्ष पराजित होंगे।

मीनः- राशि का स्वामी देवगुरू पिछले कई दिनों से वृश्चिक राशि का होकर नवम भाव में चल रहा है। चंद्रमा आज एकादश घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा मिल जाएगा।

विश्व कप-2022 क्वालीफायर : भारत के सामने कतर की चुनौती

दोहा। भारतीय पुरुष फुटबाल टीम फीफा विश्व कप-2022 क्वालीफायर के तहत मंगलवार को यहां जासिम बिन अहमद स्टेडियम में मेजबान कतर की चुनौती का सामना करेगी। भारतीय टीम को फीफा विश्व कप-2022 क्वालीफायर के अपने पहले मैच में गुरुवार को ओमान के हाथों अपने घर में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम फीफा रैंकिंग में 103 नंबर पर है, जबकि कतर की टीम 62वें नंबर पर है। पिछले मैच में भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल करने वाले सुनील छेत्री ने इस मैच को लेकर कहा, अब हमें आगे देखना होगा। यहां एक कड़ा मुकाबला होगा और यह मायने नहीं रखेगा कि हम कौन खेल रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम छोटी-छोटी गलतियों को न दोहराएं, जोकि हमने ओमान के खिलाफ किया था।

भारतीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टीमाक का मानना है कि कतर के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप-2022 क्वालीफायर मैच से उनकी टीम को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, कतर ग्रुप में सबसे मजबूत टीम है और उनके खिलाफ खेलना आसान नहीं होगा। हालांकि, यह सीखने का एक बेहतरीन मौका है।

कोच ने कहा, हमें चार-पांच खिलाड़ियों को बदलना भी होगा। डरने का कोई कारण नहीं है और हमें अच्छा फुटबाल खेलते हुए गोल करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। वहीं, भारतीय टीम के मिडफील्डर आशिक कुरुनियन ने कहा है कि उनकी टीम इस मैच में अपना सबकुछ झोंकने के लिए तैयार है।

आशिक ने कहा, पूरी टीम अपने काम पर ध्यान लगाए हुई है। कतर की टीम एशियाई चैम्पियन है, लेकिन हम भी उन्हें हराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और अपनी रणनीतियों को सही से मैदान पर लागू करेंगे। एक दिन यात्रा में निकल जाने के बाद हमारा पहला सत्र काफी अच्छा रहा है और हम मैच के लिए तैयार हैं।

बूंदी के लड्डू बनाने की विधि...

12 सितंबर अनंत चतुर्दशी के दिन गुरुवार को बप्पा के भक्त गणपति विसर्जन करेंगे। गणपति का पसंदीदा मिष्ठान बूंदी का लड्डू। इस गणपति विसर्जन से पहले बप्पा को भोग लगाने के लिए आपको बूंदी का लड्डू बाजार से खरीदना नहीं पड़ेगा। आइए जानते हैं घर पर ही आखिर कैसे बनाया जा सकता है बूंदी का लड्डू।

सामग्री-

3 कटोरी- दरदरा पिसा हुआ बेसन, 2 कटोरी- चीनी, 1 छोटा चम्मच- इलायची पाउडर, 5-6 लच्छे- केसर, चुटकी भर- मीठा पीला रंग, पाव कप- दूध, तलने के लिए देसी घी

-बनाने का तरीका

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले बेसन को छानकर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें। अब एक बर्तन में पानी और चीनी डालकर उसकी एक तार की चाशनी तैयार कर लें।

चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसलकर डाल दें। थोड़ी देर बाद इसमें पिसी इलायची मिला दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की चलनी की सहायता से सारे घोल की धीरे-धीरे करके बूंदी बनाते जाएं। अब इस बूंदी को चाशनी में डाल दें जब बूंदी पूरी तरह चाशनी पी लें, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगाकर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डूओं से भोग लगाएं।

शब्द सामर्थ्य- 82

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

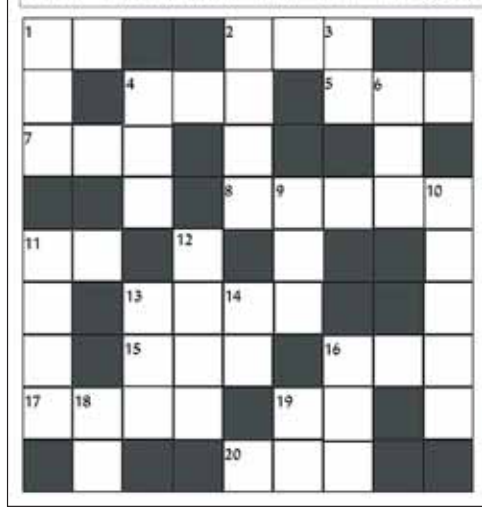

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 81 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्ग
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
ब	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

सू-दोकू- 82

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.81 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2